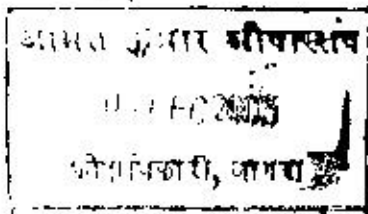




उत्तर प्रदेश UTTAR PRADESH

026954



42 A

इस खाता हकी ज़रूरीत से हस्त लिखीत गैल वगैर

पाया रा. कदार पाया है । और उका खाताप्राप्त

10/10/2011



10/10/2011



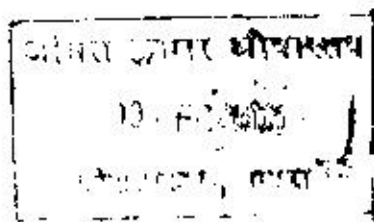
S. S. S.





उत्तर प्रदेश UTTAR PRADESH

026955



/13/

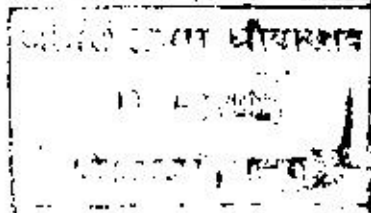
जैसे के साथ हमारा लगभग नावा होगा और
के बलीदार सेन कुछ पाना प्रेष नहीं रहा और न

Handwritten signatures and a large, dark, irregular stamp or seal are visible in this section. The text is mostly illegible due to the quality of the scan.



उत्तर प्रदेश UTTAR PRADESH

026956



/14/

जो तालुक व सरोकार आराजी विक्रीत मजदुरते

हमारा व नावा निगान मौरफ का रहा न भविष्य में

— हस्ताक्षर —



वित्त



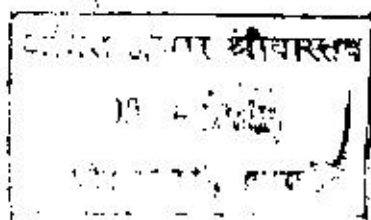
S. S. S. S.





उत्तर प्रदेश UTTAR PRADESH

026957



/15/

होगा मिहाजा कब्जा व दखल वाकई खाली चिह्नित

आरामगी पर आज की तारीख से खरीदार नाकरा

for money

मिहाजा

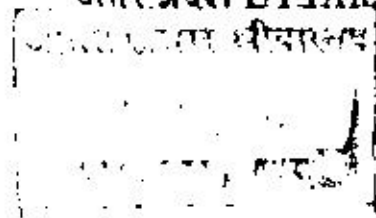
Signature





उत्तर प्रदेश UTTAR PRADESH

026958



/16/

विशेष और खरीदार को लिखित आराजी का

तमटा भागिक कारिग काविज त दखीन बनादिता

विशेष और खरीदार को लिखित आराजी का

Sethak





उत्तर प्रदेश-UTTAR PRADESH

026959

/17/

अब खरीदार को अधिकार है कि वह विप्रीत आराजी
से बहिष्कृत ग्राहक चाहे उसे लाभान्वित होवे कुल



विदे २५

S. Sathar

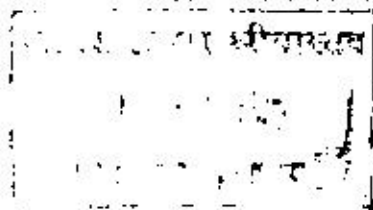


१०३० १० १०००



उत्तर प्रदेश UTTAR PRADESH

026960



/18/

अह त्पारा त निस्वत विक्रीत आराजी मण्कुर तनहा
कलीदार को उक मासिकनादासित हैं और आसंद

निस्वत विक्रीत

निस्वत

Sethare





उत्तर प्रदेश-UTTAR PRADESH
मानित, सुन्दर आवास
01.10.2005
अधीक्षक, आवास

026961

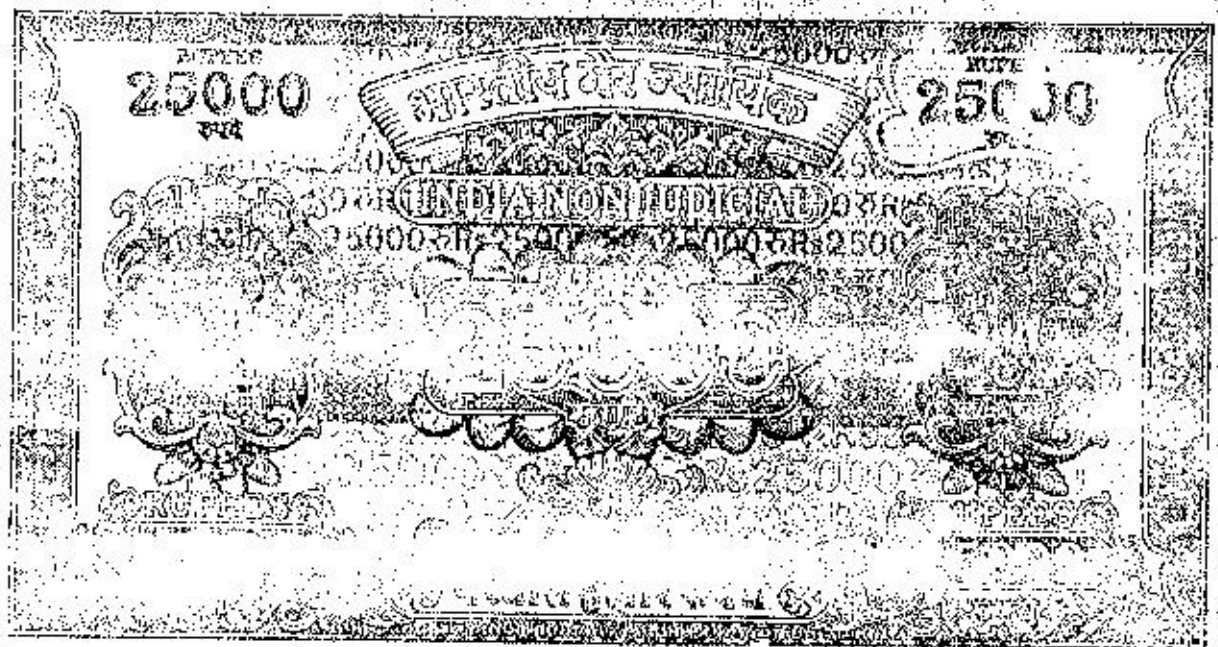
/19/

रहने वालीदार अपने नाम का दाखिल खारिज
कामकाय सरकारी में जरूर पैनामावाजा के दर्ज
करा लेवे ।



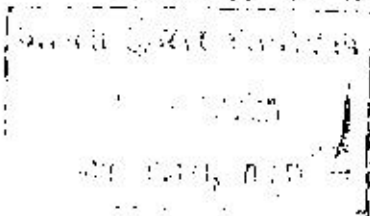
10/10/05

S. S. S.
S. S. S.



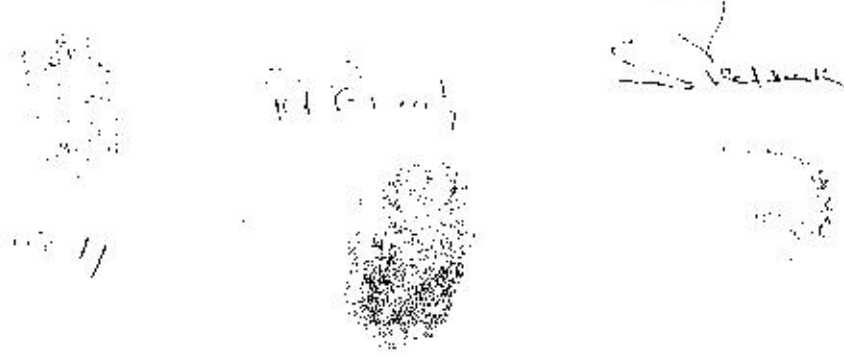
उत्तर प्रदेश UTTAR PRADESH

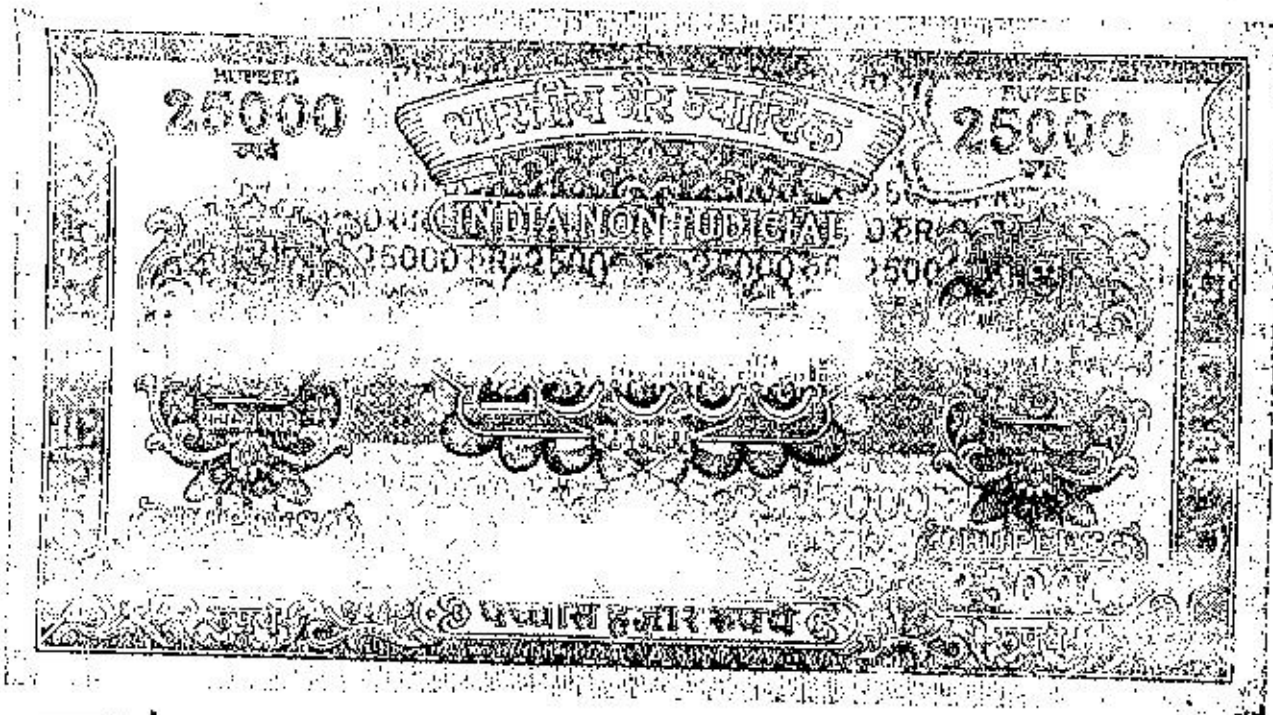
026962



1201

उत्तर प्रदेशी उच्च न्यायालय की ओर से जारी की जा रही है।
कोई भी या अनधिकृत या गैर आधिकारिक या गैर आधिकारिक





उत्तर प्रदेश UTTAR PRADESH

026963



7/17

जब कि अधिकतम १००० रु. तक का प्रमाण पत्र जारी
होने वाला है कि किसी तरह का प्रमाण पत्र जारी

निर्देश

[Signature]





उत्तर प्रदेश UTTAR PRADESH

826964

/22/

अतीत र से करें गत गतकी वजह गतकी टीसरकल
 से चिह्नीत आरावी का पुन व पुन शब्दा व दखन घरीदार

18-11-11
 18-11-11
 18-11-11